॥ आरती श्री तुलसी माता की ॥
Aarti Shri Tulsi Mata Ki

जय जय तुलसी माता
सब जग की सुख दाता, वर दाता
जय जय तुलसी माता ॥ १ ॥

सब योगों के ऊपर, सब रोगों के ऊपर
रुज से रक्षा करके भव त्राता
जय जय तुलसी माता ॥ २ ॥

बटु पुत्री हे श्यामा, सुर बल्ली हे ग्राम्या
विष्णु प्रिये जो तुमको सेवे, सो नर तर जाता
जय जय तुलसी माता ॥ ३ ॥

हरि के शीश विराजत, त्रिभुवन से हो वन्दित
पतित जनो की तारिणी विख्याता
जय जय तुलसी माता ॥ ४ ॥

लेकर जन्म विजन में, आई दिव्य भवन में
मानवलोक तुम्ही से सुख संपति पाता
जय जय तुलसी माता ॥ ५ ॥

हरि को तुम अति प्यारी, श्यामवरण तुम्हारी
प्रेम अजब हैं उनका तुमसे कैसा नाता
जय जय तुलसी माता ॥ ६ ॥

॥ इति आरती तुलसी माता सम्पूर्णम ॥